IIP International Multidisciplinary Research Journal
IIPIMRJ

An Online Peer-Reviewed / Refereed Journal
Vol: 02 No. Issue IV, (October-December) (2025)
Impact Factor: GSRD-IF: 5.001
ISSN: 3049-2734 (Online)

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और शिक्षा प्रणाली एक अनुसंधान

श्री. बाबूराव कृष्णा सारंग.
छात्र संशोधक,शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापूर

Article Info

Article History:
Received: 15th Dec 2025
Accepted: 19th Dec 2025
Published: 20th Dec 2025

Keywords:

AI, ML (मनिन लर्निंग) IOT (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) विदा तकनीक Cloud computer, अनुवाद, रचनात्मक प्रणाली, UPI, Chat Gpt, Meta AI, SIRI, ALEXA, GPS, Social Media, शिक्षाक्रांती, Tools,

ABSTRACT

AI आज पूरी दुनिया में नई व्यवस्था और तकनीक निर्माण कर रहा है, AI के बारे में पुरे विश्व भर में कई सारी क्रिया और प्रक्रिया जारी है, 20 वी सदी में कम्पुटर (computer) ने पूरी दुनिया में नया अविष्कार लाया, इसके साथ ही पुरे विश्व में धीरे-धीरे इसका प्रसार होने लगा।
आज 21वी सदी में मोबाईल के माध्यम से पुरे विश्व में इंटरनेट, AI, ML, IOT का फैलाव बडी तेजी से हो रहा है। विज्ञान और तंत्रज्ञान अपने नए अविष्कार के माध्यम से सभी लोगों के जीवन में क्रांती ला रहा है। मनुष्य जीवन के हर एक क्षेत्र में विज्ञान, तंत्रज्ञान और अनुसंधान अपना प्रभाव निर्माण कर रहा है। मनुष्य के जीवन में एक भी ऐसा क्षेत्र नहीं बचा जहाँ तकनीक ना पहुंची हो।
पुरे संसार में उद्योग, व्यापार, भुगतान, बैंक, अर्थव्यवस्था, सप्लाय चेन, लेन-देन प्रणाली, खेती, सहेत, शिश्रा, आवास, सड़क निर्माण, करप्रणाली इन सभी अत्रों में इंटरनेट विदा-तकनीक और इलेक्ट्रानिक वस्तूओं से सुलभता आई है। प्रस्तुत शोधनिबंध के माध्यम से हमें ये जानना है की, AI के माध्यम से, या वजह से हमारी देशकी पूरी शिक्षाप्रणाली पर क्या असर हो रहा है, क्या नया प्रभाव दिख रहा है, भारत की पुरी शिक्षा प्रणाली कई हिस्सों में बटी हुई है। जैसे की हम जान सकते है की, भारत में उत्तर भारत, पूर्व भारत, दक्षिण भारत, पश्चिम भारत के कई राज्यों में अलग-अलग शिक्षा प्रणाली स्थापित हुई है। प्राथमिक, माध्यमिक और विद्यालयीन शिक्षा, विश्वविद्यालय शिक्षा और तांत्रिक-व्यावसायिक शिक्षा प्रणाली इस प्रकार के चरण हमें भी देख सकते है.
AI एक नया दौर है जो पूरी शिआ प्रणाली को प्रभावित कर रहा है, आज भारत के किसी भी छोटे और बडे गांव या शहर में AI का इलोमाल किया जा सकता है। हमारी पुरानी शिक्षा प्रणाली केवल छात्र और अध्यापक के बीच तक सीमित थी। देश के किसी भी कोने में मोबाईल के जरिए हम सभी आधुनिक शिक्षा प्रणाली छात्रों तक ले जा सकते है।

Plagiarism Check Report:
Date of Report: Dec 18, 2025
Similarity Index: 2%
Remarks: No significant matching text. All citations and matches are properly referenced. The manuscript is considered original.

Copyright © 2025 The Author(s). This is an open access article distributed under the Creative Commons Attribution License, (http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/) which permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited.

How to Cite: Sarang, B. K. (2025). *कृत्रिम बुद्धिमत्ता और शिक्षा प्रणाली : एक अनुसंधान.* ***IIP: International Multidisciplinary Research Journal (IIPIMRJ)***, **2(IV), pp. 1190–1193.**

प्रस्तावना

शिक्षा प्रणाली मनुष्य जीवन का महत्वपूर्ण अंग है। शिक्षा के माध्यम से हम अपना जीवन सरल और विकसित बना सकते है। शिक्षा कि माध्यम से हर एक इन्सान में परिवर्तन और अच्छा बदलाव हो सकता है। मनुष्य जीवन की शिक्षा का आरंभ उसके परिवार के माध्यम से शुरु होता है, मनुष्य का जीवन हर एक चरण पर अध्ययन करता है, शिक्षा सिर्फ पाठशाला, कूल, कॉलेजेस, विद्यापीठ, संस्थाओं में नही दी जाती, बल्कि शिक्षा के कई सारे अनौपचारिक माध्यम होते है, जैसे कि, परिवार, हालात, मेहनत, दोस्ती, पर्यावरण, परिसर, इतिहास, अखबार, किताबें, संसार, इन सभी में मनुष्य आजन्म अध्ययन करता है।

आज AI शिक्षाप्रणाली में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, AI के माध्यम से आज शिक्षा प्रणाली को अधिक सरल व्यक्तिगत बनाया जा सकता है, और इस प्रक्रिया को गति मिल रही है। कम्प्युटर हो या मोबाईल और विद्युत सामग्री से AI घर तक जा सकता है।

AI के कुछ प्रमुख उपयोग –

अध्ययनार्थी छात्र अध्यापक, शोधक, वैज्ञानिक, लेखक, मेंटॉर, प्रोफेसर में सभी अपनी व्यक्तीगत आवश्यकता और शैली के अनुसार शिक्षा की सामग्री तैयार कर सकता है।

AI प्रश्नपत्र, उत्तरपत्र का ग्रेडिंग कर सकता है। जिसके माध्यम से अपना वक्त और श्रम बचाया जा सकता है।

Chatboat's AI के माध्यम से छात्र हो या और कोई अध्ययनार्थी प्रश्नों के उत्तर प्राप्त कर सकता है और खुद ही स्वंय अध्ययन कर सकता है।

AI के Tools के जरिए हम शिक्षा के पाठयक्रम के अनुसार सामग्री तैयार कर सकते है. जिसका उपयोग छात्रों को हो सकता है।

AI के जरिए जो छात्र प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी कर रहे है, उन्हें किसी भी भाषा में पढ़ाई का साधन-साहित्य – नोट्स, किताबे Video, Lecture आसानी से मिल सकते है।

Online के माध्यम से संसार के किसी भी देश की जानकारी हम प्राप्त कर सकते है। अगर हमे कक्षा में पढ़ाई करते समय कोई समस्या या कठिण सवाल खडा हो, तो हम AI का इस्तेमाल कर सकते है। शिक्षा प्रणाली में हमें पुराने और औपचारिक माध्यम से कई सारी समस्यांयोका सामना करना पड़ता था, लेकिन आन 21 वी सदी के तिसरे दशक में हमारे सामने AI और मोबाईल ने कई सारी क्रिया सरल और सुलभ बना दी है। उदा. गणित, जीवशास्त्र, पुरातत्वशास्त्र आज भारत देश के कुछ राज्योंमे जहाँ शिक्षा प्रणाली में कई सारी दिक्कतें है, लेकिन, वहाँ जहाँ पहाडी, पर्वतीय और जंगल क्षेत्र में शिक्षा, पढ़ाई, अध्ययन नवोन्मेष और प्रायोगिक संशोधन के लिए AI बहुत ही उपयुक्त साबित हो रहा है। WI-FI, Bluetooth, Share, Mail, Fax, Telegram, youtube, Media port, Digital coaching app, PDF files, search app GPS, Zoom, OTT platform, V.C., A.R. इन सभीमाध्यमों से देश के सभी क्षेत्रों में शिक्षा और ज्ञान, जानकारी, कौशल्य भेजा जा सकता है।

छात्रों को जब कक्षा में पढ़ाया जाता है, तब केवल किताबे, नोटबुक के साथ आज मोबाईल, कम्प्युटर, लैपटॉप भी जरूरत बन गए है। BCA, BBA, MCA, MBA, BCS, B.SC, MCS., M.Sc, Mlib, M.Tech, B.E., B.Tech इन सभी शिक्षा क्षेत्रों में आज AI एक अविभाज्य और बेहद उपयुक्त प्रणाली मानी जा रही है। आज हम सब निजीकरण, उदारीकरण, जागतिकीकरण के जमाने में तेजी से नए शिक्षा क्रांती और बदलाव की ओर बढ़ रहे है।

4) संशोधन की तकनीक

प्रस्तुत शोधनिबंध के पूर्ती के लिए मिश्र संशोधन पद्धति का उपयोजन किया है, इसमें प्रयोग अवलोकन, साक्षात्कार, विश्लेषण का उपयोजन किया है।

5) उद्देश ईश्वर निबंध के उद्देश निम्नलिखित है।

1) AI और शिक्षा प्रणाली के बीच का संबंध का अध्ययन करना.
2) AI के माध्यम से होनेवाली नये बदलाव और परिवर्तन को निश्चित करना
3) पुरानी और नयी शिक्षा प्रणाली का तुलनात्मक अध्ययन करना।
4) AI के फायदे और नुकसान का अध्ययन करना।

6) विषय विवेचण –

आज पुरे भारत देश के शिक्षा प्रणाली में NEP 2.0 ये नई शिक्षा प्रणाली लागू हो रही है, इस नये बदलाव के साथ भारत

की शिक्षा प्रणाली जो स्कूल से लेकर विश्वविद्यालय तक पूरी तरह से बदलती जा रही है।

AI के कुछ लोकप्रिय Tools निम्नलिखित है जो स्कूल से लेकर विश्वविद्यालय तक की पढ़ाई के लिए जादा उपयुक साबित हो रहे है।

- Chat GPT
- Google Assistant
- Amezon Alexa-
- Microsoft Copilot
- Grammarly
- Canva
- Hangging face
- Tensor flow
- Pytorch –
- Open AI –

AI शिक्षा प्रणाली में क्रांति ला रहा है। जिससे शिक्षण और सीखने के तरीके बदल रहे हैं। यह छात्रों और शिक्षकों दोनों के लिए कई तरह के लाभ प्रदान करता हैं।

स्व -अध्ययन:

AI से संचालित मंचों पर छात्र की सीखने की गति, कमजोरीयां, रूचियों का विश्लेषण करके उनके लिए अनुकूल अध्ययन योजनाएं और सामग्री तैयार करते है। इससे छात्र अपनी गति से बेहतर ढंग से सीख पाते हैं।, youtube, google, Social media Meta AI, Bard, Gemini इन सभी से स्व-अध्ययन किसी भी भाषा में आसान हो गया है।

प्रशासनिक कार्य –

AI शिक्षक के द्वारा होने वाली कई सारी प्रशासनिक कार्यो का संचालन कर सकता है। जैसे साध्याय ग्रेडिंग, उपस्थिती गणन, शेड्यूल इससे शिक्षक को छात्रों के साथ अधिक समय बिताने और बेहतर शिक्षण पर ध्यान केंद्रित करने का मौका मिलता है।

Intelligent tutoring System - AI के password Virtual Tutor छात्रों के प्रश्नों के उत्तर 24/7 दे सकते है. वास्तविक समय पर प्रतिक्रिया प्रदान कर सकते है और अतिरिक्त सुझावों का संसाधन दे सकते है.

Smart Content Creation.-

AI बस कुछ ही पल में quiz, flashcard Notes, essay, Debate, Explation, quotes puzzles बना सकता है. उदा. Synopsis, Reseach Design, conclusion, Index.

Research And Development –

दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश की शिक्षा प्रणाली आज़ उनके पाठ्यक्रम, पढ़ाई, किताबें और संशोधन के माध्यम से नया अनुसंधान, खोज और विकास को बढावा दे रही है। सुपरपॉवर देश AI को राष्ट्र की वैज्ञानिक तांत्रिक, आर्थिक, औद्योगिक, लष्करी प्रगति का आधार बना रहे है।

\AI शिक्षा प्रणाली के हर क्षेत्र में नया परिवर्तन ला रही है, Teaching, learning, Innovation, Reseach Analysis. Explanation, findings, Algorithem. Design, Marketing. Structuring, summary. इ. सभी में AI बड़ी भूमिका निभा रहा है।

निष्कर्ष

AI के माध्यम से शिक्षा के सभी स्तर पर क्रांति हो रही है, शिक्षा की परिभाषा बदल चुकी है। छात्र और अध्यापक के बीच का दायरा, रिश्ता और संबंध नये मोड पर जा चुका है।

एक अकेला अध्यापक एक ही समय हजारों और लाखों छात्रों के साथ आंतर क्रिया कर सकता है। आज स्कूल से लेकर किसी बड़ी संस्था के अध्यापक Digital/ Electric/ online/Amificial tools और Device के माध्यम से छात्रों को सभी प्रकार के study materials प्रसारित कर सकता है।

A1 के माध्यम से होने वाली शिक्षा क्रांती में एक बडी समस्या यही है की, गरीब, सामान्य और पीछडे परिवार के छात्र ये नया तकनीक, सामग्री खरीदने के लिए और उपयोग करने के लिए सक्षम नहीं है।
Online और Distance Mode के माध्यम से होने वाली पढ़ाई, लिखाई, अध्ययन में कृत्रिमना ज्यादा होती है। इस तकनीक के कुछ गलत और हानीकारक परिणाम भी हो सकते है। जैसे की - Hacking, Tampering, Fishing, Digital Arrest.

शिफारीश/ सुझाव

सरकारी स्कूल हो या कॉलेज AI और नये तकनीक का उपयोजन करने के लिए सबसे पहले भौतिक सुविधा होनी चाहिए, जैसे की virtual classroom, v.c. Rom, LCD गरीब और अमीर, बेसहारा और शक्तिशाली इस प्रकार का भेद छात्रों के बीच पैदा ना हो, क्योंकि आम बच्चे जो पिछडे वर्ग से आते है उनके पास Electronic Device Tools लेने के लिए पर्याप्त पैसे नही होंगे।

छोटे बच्चों से लेकर विश्वविद्यालय के छात्रों तक किसी पर भी Digital/Artificial Toxic/poison का बुरा असर ना हो, जैसे की Nudity, Violence, Faul Language, Fraud, Harrasment, Scam.

AI और Data Tech. एक दुतर्फा हथियार है जिसका उपयोग गलत कामों के लिए भी किया जा सकता है, इससे आने वाली पीढ़ी पर बुरा और बेहद हानीकारक असर पड़ सकता है। इसके लिए विशेष तौर पर सतर्कता लेनी होगी.

11) संदर्भ-

1. AI - उपयोगिना और चुनौतियाँ - अभिषेक त्रिपाठी
2. A-I - अच्युत गगोडबोले
3. Text book of AI